IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.67
Volume 5, Issue 5, February 2025

शारीरीक शिक्षा मे खिलाडीयों का सामाजिक – आर्थिक स्तर एक अध्ययन

डॉ. मार्कंड चौरे

शारीरीक शिक्षण संचालक

एस. चंद्रा महिला महाविद्यालय, आष्टी

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली.

dr.markandchoure@gmail.com

प्रस्तावणा

विलकिन्सन और डोडेर ने खेलों के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा है कि, '' खेलों का सामाजिक महत्व बहूत अधिक है ! खेल के व्दारा भावना प्रकट होती है, शुध्द होती है, व्यक्ती का सामाजिकरण होता है, जिम्मेदारी का एहसास होता है और व्यक्ती कों सफलता प्राप्त होती है !''

किसी विशेषज्ञ ने खेल को उपचार का ऐक प्रभावी माध्यम भी बताया है ! खेल के व्दारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनो ही प्रकार के लाभ प्राप्त होते है, जो अन्य किसी क्रिया से नही हो पाता है ! इसलिए खेल को बहूउददेशीय कहॉ. जाता है !

कुछ खिलाडी खेल मे जीत को ही प्रधानता देते है और कुछ खेल खेलने के तरिके को महत्व देते है ! जब खेल के परिणाम महत्व पूर्ण हो जाते है, तब खेल की जीत को प्राथमीकता दी जाती है ! किसी भी प्रकार से, कैसे भी तरिको से जितना यही उददेश बन जाता है ! ऐसै समय आप कैसे खेल इसे महत्व न दिया जाकर आपने कैसे जीता इसको महत्व दिया जाता है ! इस उददेश में वाममार्ग कोभी प्रतिष्ठा प्राप्त होती है. जीतने के लिये खिलाडीं अपने आप को न्यौछावर कर देता है ! इसका दुसरा पक्ष यह है जहा जीतने हारने को महत्व न देकर खेल खेलने कों महत्व दिया जाता है ! ''खेल – खेलने के लिऐ खेले'' यह उनका विचार रहता है !

बिजशब्दः खिलाडी, गामक, क्षमता, गुणांक, सहसबंध.

गोषवाराः

शारीरीक शिक्षा का क्षेत्र अंत्यत व्यापक है ! क्योंकी इसमे खिलाडीयों के विकास के ज्ञानात्मक तथा भावात्मक पक्षों के साथ साथ उनके शारीरीक विकास के पक्ष का भीं समावेश होता है ! खिलाडीयों की गामक क्षमता का अध्ययन अंत्यंत महत्व पूर्ण है ! क्योंकी इसी पर खिलाडीयों के क्रिडात्मक कौशल्य का विकास निर्भर होता है ! खिलाडीयों की गामक क्षमता को विभींन्न कारक प्रभावित करते है ! इनमे छात्रों का परिवेश आर्थीक एवं सामाजिक स्तर विशेष रूप से प्राभावित करते है ! खिलाडियों के शारीरीक शिक्षा का सामाजिक – आर्थीक स्तर की खोज करना यही इस शोधकार्य का मुल उददेश है !

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-23829

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.67
Volume 5, Issue 5, February 2025

सारणी कंमाक –1 उच्च स्तर

चल (घटक)	*खिलाडी संख्या (N)*	*स्वाधिनता मात्रा (df)*	*सहसबंध (f)*	*सार्थकता सारणी मुल्य .05*	*निष्कर्ष*
गामक क्षमता एवं उच्च सामाजिक – आर्थीक स्तर	*.07*	*.05*	*- 0.408*	*0.754*	*

स्वाधिनता मात्रा 5 के लिऐ 05 स्तर पर सहसबंध गुणांक का सार्थक मुल्य 0.754 या इससे अधिक होना अनिवार्य है ! प्रस्तुत शोध मे यह मुल्य –0.408 है जो की 0.5 स्तर पर सार्थक नही है ! फिर भी ऋण सहसबंध यह दर्शाता है की, खिलाडीयों के सामाजिक – आर्थीक स्तर एवं उनकी गामक क्षमता के मध्य ऋणात्मक सहसबंध है ! अपेक्षाकृत निम्न स्तर की होती है !

सारणी कंमाक 2 निम्न – मध्यम स्तर

चल (घटक)	*खिलाडी संख्या (N)*	*स्वाधिनता मात्रा (df)*	*सहसबंध (f)*	*सार्थकता सारणी मुल्य .05*	*निष्कर्ष*
निम्न – मध्यम सामाजिक – आर्थीक स्तर एवं गामक क्षमता	*140*	*138*	*+0.02*	*0.159 (.05Level)*	*

05 सार्थकता स्तर पर स्वतंत्रता अंश (df) 138 के लिऐ सहसबंध गुणांक का सार्थक मुल्य 0.159 से अधिक होना चाहीऐ किंतू प्राप्त मुल्य (r=02) सारणी मुल्य से कम है ! अर्थात खिलाडीयों का निम्न माध्यम स्तर एवं उनकी गामक क्षमता में सार्थक सहसबंध द`ष्टीगोचर नही होता !

निष्कर्ष:

प्रस्तुत शोधकार्य के निष्कर्ष काफी हद तक पेनथिइक्स तथा बार्कर महोदय के शोधकार्य के निष्कर्षो से समानता रखते है ! इस अनुसंधान के आधार पर यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है की, खिलाडीयों का सामाजिक – आर्थीक स्तर एवं उनकी गामक क्षमता मे विपरीत सहसबंध है, अर्थात जिन खिलाडीयों का सामाजिक – आर्थीक स्तर उच्च है, उनकी गामक क्षमता निम्न सामाजिक – आर्थीक स्तर के खिलाडीयों से अपेक्षाकृत कम ही होती है, यद्यपी स्वाधिनता मात्रा मुल्य कम होने के कारण कुछ स्थितीयों मे सहसबंध गुणांक का मुल्य सार्थक नही है ! किंतू सहसबंध गुणांक की दिशा (धनात्मक या ऋणात्मक) इसी तथ्य की ओर दर्शाती है की संपन्नता का विपरीत प्रभाव गामक क्षमता पर पडता है !

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.67
Volume 5, Issue 5, February 2025

संभवता :–

यह इसलिऐ होता है की उच्च सामाजिक – आर्थीक स्तर के खिलाडीयों के जीवन मे अपेक्षा कृत कम संघर्ष होता है तथा उन्हें शारीरीक श्रम भी कम ही करने पडते है. और इस कारण उनकी गामक क्षमता निम्न सामाजिक – आर्थीक स्तर खिलाडीयों की अपेक्षा कुछ हद तक कम विकासीत होती है !

Reference :-

[1]. Harold M. Barrow. "Man and Movement ,: Principal of Physical Education. 3rd Ed. (Philadelphia : Lea and Febiger, 1972), Page No. 307.

[2]. Kapoor , S. D. & Kochar S.D.: Manual Directions for socio –Economic status scale Questionnaire . New Delhi. The Psycho Center, 1970

[3]. Whiting H.T.A. : Readings in Sports Psychology. London Lepus Books. 1975.

[4]. W.G. Cochran & G.M. Cox," Experimental Designs." (2nd ed.) New York : Wiley (1957).

[5]. Weller & Hill R. " The Family A systematic Introducation. " (New York, Dryden press 1951). P. 23.